

40 DAY PRAYER

COVENANT

For Kids!

४० दिनों का प्रार्थना प्रतिज्ञा पत्र

कृपा प्रिये स्वर्गीय पिता, मुझसे प्रेम करने के लिए और अपनी संतानों में शामिल करने के लिए आपका धन्यावाद ।

प्रेम आपसे प्रेम करने के लिए और आपकी आज्ञा पालन करने की लिए मेरी सहायता करें ।

करुणा आप जिस तरह से मुझसे प्रेम करते हैं, औरों को उसी तरह से प्रेम करने में मेरी मदद की जिए ।

पश्चाताप मेरे पापों के लिए मुझे क्षमा करें और उनसे मुझे शुद्ध करें ।

आराधना हे परमेश्वर, मैं अपने सारे मन से आपकी आराधना करता/करती हूँ ।

वचनबद्धता प्रभु यीशु मैं आपके पीछे चलना चाहता/चाहती हूँ और आप मुझे जैसा व्यक्ति बनाना चाहते हैं वैसा बनायें ।

निर्भरता मुझे अपने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करें ।

प्रभाव मुझे अपनी कृपा, सत्य और न्याय का एक साधन बनाओ ।

शिष्यत्व मुझे आज अपनी महिमा के लिए उपयोग करें, और अन्य लोगों को प्रभु यीशु मसीह की ओर आमंत्रित करने के लिए उपयोग करें ।

अधिकार मैं प्रभु यीशु मसीह के नाम में प्रार्थना करता/करती हूँ । आमीन ।

40 DAY PRAYER

COVENANT For Kids!

WWW.THEPRAYERCOVENANT.ORG

सन्दर्भ

यूहन्ना 3:1

देखो पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है, कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं, और हम हैं भी: इस कारण संसार हमें नहीं जानता, क्योंकि उस ने उसे भी नहीं जाना।

मत्ती 22:37,38

उस ने उस से कहा, तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रखा बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है।

यूहन्ना 15:12

मेरी आज्ञा यह है, कि जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो।

भजन संहिता 51:2

मुझे भली भाँति धोकर मेरा अधर्म दूर कर, और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर!।

भजन संहिता 9:1

हे यहोवा परमेश्वर मैं अपने पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद करूँगा; मैं तेरे सब आश्चर्य कर्मों का वर्णन करूँगा।।

यूहन्ना 13:13

तुम मुझे गुरू, और प्रभु, कहते हो, और भला कहते हो, क्योंकि मैं वही हूँ।

इफिसियों 5:18b

आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।।

यूहन्ना 1:14

और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उस की ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा।।

मत्ती 28:19

इसलिये तुम जाकर सब जातियों को घेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।।

फिलिपियों 2:9

इस कारण परमेश्वर ने उस को अति महान भी किया, और उस को वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है।।